MEDIA COVERAGE- NATIONAL WORKSHOP ON MEDICINAL PLANTS AT TFRI, JABALPUR; DATED: 26 SEPTEMBER 2022

TheHitavada
Jabalpur City Line | 2022-09-27 | Page-4
ehitavada.com

National workshop discusses status of medicinal plants sector

■ Staff Reporter

TO EXPLORE and discuss the current status of medicinal plants sector in different regions of the country, Tropical Forest Research Institute, Jabalpur, organised a national workshop on 'Availability, Sustainability, Processing issues and Market linkages of Medicinal Plants', on Monday.

The workshop was conducted in association with Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEFCC), Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE), National Medicinal Plants Board (NMPB) and Ministry of Ayush. The eminent forest officers from across the states of Madhya Pradesh, Maharashtra, Chhattisgarh, Karnataka, Goa, Jammu and Kashmir, West Bengal, Uttar Pradesh, Uttarakhand and Odisha and officials from CIMAP and State Medicinal Plant Boards.

Arun Singh Rawat, IFS, Director General, ICFRE, spoke about the importance of the workshop and conducting it in association of MoEFCC and Ministry of Ayush for proper development and demand appropriate cultivation of medicinal plants.

Quoting the importance of medicinal plants by WHO, he emphasised on conservation of the traditional plant knowledge and their usage.

Guests releasing the publications during the national workshop.

Dr G Rajeshwar Rao, Director TFRI welcomed the eminent guests. He highlighted the importance of minor forest products including medicinal plants in the livelihood of rural poor and primary collectors.

He further talked about devising viable methodology by not only maintaining profit margins for the primary collectors but also fulfilling quality and quantity demands of the herbal industries and develop of value chain projects.

Neelu Singh, Scientist-G, Programme Co-odinator, presented detailed progress and medicinal plant related research carried by different ICFRE institutes. Two publications on Development of medicinal plant sector and Non-Timber Forest Produce- Opportunities and Challenges were also released by the dignitaries during the event.

टीएफआरआई में कार्यशाला का आयोजन

पौधों के सरंक्षण के साथ ही ग्रामीणों को करना होगा जागरूक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जबलपुर. औषधीय पौधों की उपलब्धता, प्रसंस्करण एवं मार्केटिंग को लेकर टीएफआरई द्वारा कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया गया। एनएमपीबी बोर्ड के डीडी डॉ. आर मुरुगेश्वरन ने कहा कि आज औषधीय पौधों का सरंक्षण की दिशा में ग्रामीणों को जागरूक करने की आवश्यकता है। किसानों, आदिवासियों को आवश्यक ट्रेनिंग देने के साथ ही पौधे के सरंक्षण उनके गुणवत्तापूर्ण रोपण आदि की दिशा में भी काम करना होगा। महानिदेशक, आईसीएफआरई अरुण सिंह रावत ने औषधीय पौधों के महत्व के बारे में जानकारी दी। निदेशक टीएफआरआई डॉ. जी राजेश्वर राव ने ग्रामीणों एवं प्राथमिक संग्राहकों की आजीविका में औषधीय पौधों के महत्व और कार्यशाला के आयोजन से अवगत कराया। निदेशक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी भारती ज्योति, डप महानिदेशक राकेश कुमार डोगरा, एमडी वन विकास निगम अभय कुमार पाटिल ने पौधों की किस्मों, उत्पादों की मार्केटिंग आदि पर विचार रखे। वैज्ञानिक-जी एवं समन्वयक डॉ. नीलू सिंह ने संस्थाओं द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में औषधीय पौधों एवं इमारती वन उपज से जुड़े प्रकाशन का विमोचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. फातिमा शिरीन ने किया।

पारम्परिक पौधों का ज्ञान होना आवश्यक

निज प्रतिनिधि, जबलपुर| टीएफआरआई द्वारा औषधीय पौधों के संबंध में सोमवार को राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जेएनकेवीवी और एसएफआरआई के वैज्ञानिकों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए आईसीएफआरई के महानिदेशक अरुण सिंह रावत ने औषधीय पौधों के उचित विकास और खेती के लिए एमओईएफसीसी और आयुष मंत्रालय के सहयोग के बारे में बताया। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा औषधीय पौधों के बारे में बताते हुए पारंपरिक पौधों के ज्ञान, उपयोग और संरक्षण पर जोर दिया। टीएफआरआई के निदेशक डॉ. जी. राजेश्वर राव ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ. फातिमा शिरीन ने किया।

@Sarvochsatta Sarvoch satta Sarvoch satta 7566282824 sarvochsattanews

नजर सब पर

सर्वोच्च सत्ता

जबलपुर, नरसिंहपुर, कटनी एवं मण्डला से एक साथ प्रकाशित

अंक-237 | जबलपुर, मंगलवार 27 सितंबर 2022 | पृष्ठ-8 | मूल्य-3.50 रू

मेडिसनल प्लांट के मार्केट लिंकेज को डेवलप करने की जरुरत

10 राज्यों के आला अधिकारियों सहित वैज्ञानिकों ने किया जबलपुर में मंथन

सर्वोच्च सत्ता | जबलपुर

मेडिसनल प्लांट के मार्केट लिंकेज को डेप्लप करने की आज बहुत जरूरत है। साथ ही मेडिसनल प्लांट के प्रोसेसिंग से वेल्यू एडिशन बढ़ाने की दिशा में काम करना होगा। यह कहना है देशभर के 10 राज्यों से आए आला वन अधिकारियों, वैज्ञानिकों का। जो कि होटल कल्चुरी में आयोजित कार्यशाला पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी), भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई), राष्ट्रीय औषधीय पौधे बोर्ड (एनएमपीबी) और आयुष मंत्रालय के सहयोग से टीएफआरआई, एमओईएफसीसी व आईसीएफआरई के संयुक्त तत्वावधान में हुई।

इन राज्यों से आए अधिकारी

बताया जाता है कि उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर द्वारा औषधीय पौधों की उपलब्धता, वहनीयता, प्रसंस्करण और बाजार सम्बंधित मुद्दों पर राष्ट्रीय कार्यशाला मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गोवा, जम्मू-कश्मीर, पश्चिमबंगाल, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड और ओडिशा राज्यों के प्रख्यात वन अधिकारी और सीमैप, राज्य औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), डाबर सहित राज्य वन विभाग के अधिकारी और सम्बंधित एजेंसियों जैसे नाबार्ड, डाबर व जेएनकेविवि. और एसएफआरआई के वैज्ञानिकों ने भी भाग लिया।

टीएफआरआई, एमओईएफसीसी व आईसीएफआरई की नेशनल कांफ्रेस आयोजित

इन विषयों पर हुई चर्चा

राष्ट्रीय कार्यशाला में औषधीय पौधों की उपलब्धता, स्थिरता, प्रसंस्करण मुद्दों और बाजार संबंधों पर, औषधीय पौधों के उचित विकास और खेती को लेकर चर्चा और मंथन किया गया।

एमएफपी फेडरेशन एमपी, डाबर और नाबार्ड ने कार्यशाला आयोजित करने के लिए प्रायोजित किया। कार्यशाला में डीजी आईसीएफआरई अरुण सिंह रावत ने औषधीय पौधों के उचित विकास और खेती के लिए एमओईएफसीसी और आयुष मंत्रालय के सहयोग के बारे में बताया। डब्ल्यूएचओ द्वारा औषधीय पौधों के महत्व के बारे में बताते हुए उन्होंने पारंपरिक पौधों के ज्ञान, उपयोग और संरक्षण पर जोर दिया। डॉ. जी. राजेश्वरराव, ए.आर.एस, निदेशक टी.एफ.आर.आई ने विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने ग्रामीणों एवं प्राथमिक संग्राहकों की आजीविका में औषधीय पौधों सहित लघु वन उत्पादों के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. आर. मुरुगेश्वरन, डीडी (एमपी), एनएमपीबी. ने बोर्ड द्वारा औषधीय पौधों के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण, गुणवत्ता पूर्ण रोपण सामग्री के लि ए नर्सरी एवं किसानों को प्रोत्साहित हेतु विभिन्न उपलब्धियों औ गतिविधियों को सूचीबद्ध किया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी की डायरेक्टर भारत ज्योति, आरके डोगरा डीडीजी आईसीएफआरई और एके पाटिल, एमडी, वन विकास निगम, एमपी ने भी कार्यशाला आयोजित करने की पहल की सराहना की। नीलूसिंह, वैज्ञानिक कार्यक्रम समन्वयक ने विभिन्न आईसीएफआरई संस्थानों द्वारा किए गए विस्तृत प्रगति और औषधीय पौधों से संबंधित शोध प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. फातिमा शिरीन, वैज्ञानिक टीएफआरआई द्वारा किया गया। कार्यशाला पीआरओ डॉ. निधि मेहता व चेयरमैन प्रेस एडं मीडिया कमेटी डॉ. अविनाश जैन का विशेष सहयोग रहा।

TheHitavada
Jabalpur City Line | 2022-09-26 | Page-1
ehitavada.com

TFRI's national workshop today

A NATIONAL workshop on 'Availability, Sustainability, Processing issues and Market linkages of Medicinal Plants' will be organised by Tropical Forest Research Institute (TFRI) Jabalpur in association with Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEFCC), Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE), National Medicinal Plants Board (NMPB) and Ministry of Ayush. The workshop will be conducted at Hotel Kalchuri Residency, Jabalpur, on September 26 from 10 am onwards. Main objective of the workshop is to explore and discuss current status of medicinal plants in different regions of the country. The workshop will highlight issues related with sustainability and availability of medicinal plants in wild, current status in farmers' field and issues related with quality and marketing. It will provide a platform for interaction among forest officials, scientists, growers and users of medicinal plants. Arun Singh Rawat, IFS, Director General, ICFRE, Bharat Jyoti, IFS, Director, Indira Gandhi National Forest Academy (IGNFA), Dehradun, Abhay Kr Patil, IFS, PCCF, MD Bhopal, Pushkar Singh, IFS, MD, MFP

(Contd on page 3)

TheHitavada
Jabalpur City Line | 2022-09-26 | Page-3
ehitavada.com

TFRI's national workshop...

Federation, Bhopal, Meenakshi Negi, IFS, APCCF & CEO (CAMPA), Dr Chandra Shekhar Sanwal, Deputy CEO, NMPB will be presnt during the workshop along with other senior officers from the State Forest Department and allied sectors.